



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II — खण्ड 3 — उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 57]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 6, 2008/माघ 17, 1929

No. 57]

NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 6, 2008/MAGHA 17, 1929

वित्त मंत्रालय

( वित्तीय सेवाएं विभाग )

( बीमा खण्ड )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 2008

सा.का.नि. 72(अ).—केन्द्रीय सरकार, जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) संशोधन नियम, 2008 है।

(2) ये 1 अप्रैल, 2006 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 के नियम 13 के उप-नियम (2) के परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात् :-

“परन्तु यह कि—

(i) 10,000 रुपए प्रतिमास से अधिक वेतन पाने वाले किसी कर्मचारी को बोनस के बदले में कोई रकम देय नहीं होगी ;

(ii) जहां किसी कर्मचारी का वेतन 3,500 रुपए प्रतिमास से अधिक है किन्तु 10,000 रुपए प्रतिमास से अधिक नहीं है, वहां ऐसे कर्मचारी को देय बोनस के बदले में अधिकतम भुगतान इस प्रकार संगणित किया जाएगा मानो उसका वेतन 3500 रुपए प्रतिमास है।”

[फा. सं. एस-11012/08/2007-बीमा III]

तरुण बजाज, संयुक्त सचिव (बीमा और बैंकिंग)

पाद टिप्पण : मूल नियम सा.का.नि. 357(अ), तारीख 11 अप्रैल, 1985 द्वारा प्रकाशित किए गए और पश्चातवर्ती संशोधन सा.का.नि. 18(अ), तारीख 7 जनवरी, 1986, सा.का.नि. 1076(अ), तारीख 11 सितम्बर, 1986, सा.का.नि. 961(अ), तारीख 7 दिसम्बर, 1987, सा.का.नि. 870(अ) और 873(अ), दोनों की तारीख 22 अगस्त, 1988, सा.का.नि. 515(अ), तारीख 12 मई, 1989, सा.का.नि. 509(अ), तारीख 24 मई, 1990, सा.का.नि. 620(अ), तारीख 6 जुलाई, 1990, सा.का.नि. 628(अ), तारीख 10 जुलाई, 1990, सा.का.नि. 338(अ), तारीख 11 जुलाई, 1991, सा.का.नि. 697(अ), तारीख 25 नवम्बर, 1991, सा.का.नि. 46(अ) और 47(अ), दोनों तारीख 4 फरवरी, 1993, सा.का.नि. 746(अ), तारीख 13 दिसम्बर, 1993, सा.का.नि. 55(अ), तारीख 2 फरवरी, 1994, सा.का.नि. 595(अ), तारीख 30 जून, 1995, सा.का.नि. 669(अ), तारीख 22 सितंबर 1995, सा.का.नि. 102(अ), तारीख 22 फरवरी, 1996, सा.का.नि. 261(अ), तारीख 22 मई, 1998, सा.का.नि. 532(अ), तारीख 27 अगस्त, 1998, सा.का.नि. 445(अ), तारीख 18 जून, 1999, सा.का.नि. 611(अ), तारीख 30 अगस्त, 1999, सा.का.नि. 552(अ), तारीख 22 जून, 2000, सा.का.नि. 289(अ), तारीख 27 अप्रैल, 2004, सा.का.नि. 561(अ), तारीख 5 सितम्बर, 2005 और सा.का.नि. 306(अ), तारीख 25 अप्रैल, 2007।

**स्पष्टीकारक ज्ञापन**

चूँकि बोनस संदाय अधिनियम, 1965 की धारा 2 का संशोधन 1 अप्रैल, 2006 से प्रभावी हुआ था, भारतीय जीवन बीमा वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 की धारा 13 में 1 अप्रैल, 2006 से संशोधन करना भी प्रस्तावित था। उक्त नियम के नियम 13 में उपरोक्त संशोधन परिणामिक प्रकृति के हैं। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन परिणामिक संशोधनों से किसी कर्मचारी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

**MINISTRY OF FINANCE****(Department of Financial Services)****(INSURANCE WING)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 6th February, 2008

**G.S.R. 72(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, namely :—

1. (1) These rules may be called the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Amendment Rules, 2008.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of April, 2006.

2. In the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, in rule 13, for the proviso to sub-rule (2), the following proviso shall be substituted namely :—

“Provided that :—

- (i) no payment in lieu of bonus shall be payable to any employee drawing a salary exceeding Rs. 10,000 per month;
- (ii) where the salary of any employee exceeds Rs. 3,500 per month but does not exceed Rs. 10,000

per month, the maximum payment in lieu of bonus payable to such employee shall be calculated as if his salary were Rs. 3,500 per month.”

[F.No.S-11012/08/2007-Ins. III]

TARUN BAJAJ, Jt. Secy. (Insurance and Banking)

**Foot Note :** The principal rules were published *vide* number G.S.R. 357(E), dated 11th April, 1985 and subsequently amended *vide* numbers G.S.R. 18(E), dated the 7th January, 1986, G.S.R. 1076(E), dated the 11th September, 1986, G.S.R. 961(E), dated the 7th December, 1987, G.S.R. 870(E) and 873(E) both dated the 22nd August, 1988, G.S.R. 515(E), dated the 12th May, 1989, G.S.R. 509(E), dated the 24th May, 1990, G.S.R. 620(E), dated the 6th July, 1990, G.S.R. 628(E), dated the 10th July, 1990, G.S.R. 338(E), dated the 11th July, 1991, G.S.R. 697(E), dated the 25th November, 1991, G.S.R. 46(E) and 47(E) both dated the 4th February, 1993, G.S.R. 746(E), dated the 13th December, 1993, G.S.R. 55(E), dated the 2nd February, 1994, G.S.R. 595(E) dated the 30th June, 1995, G.S.R. 669(E), dated the 27th September, 1995, G.S.R. 102(E), dated the 22nd February, 1996, G.S.R. 261(E), dated the 22nd May, 1998, G.S.R. 532(E), dated the 27th August, 1998, G.S.R. 445(E), dated the 18th June, 1999, G.S.R. 611(E), dated the 30th August, 1999, G.S.R. 552(E), dated the 22nd June, 2000, G.S.R. 289(E), dated the 27th April, 2004, G.S.R. 561(E), dated the 5th September, 2005 and G.S.R. 306(E), dated the 25th April, 2007.

**EXPLANATORY MEMORANDUM**

Since amendment of Section 2 of the Payment of Bonus Act, 1965 came into force with effect from 1st April, 2006, the amendment in rule 13 of Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985 also proposed with effect from 1st April, 2006. The above amendments in rule 13 of said rules are of a consequential nature. It is certified that no employee is likely to be adversely affected by these consequential amendments.